रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया
(भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आदेश प्राप्त
एक मात्र संगठन)
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक इसके स्वयं सदस्य बनें
एवं सदस्यता हेतु अभियान चलायें।

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 46 ● अंक – 20 एवं 21 ● कानपुर 1 से 15 नवम्बर 2024 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की जाँच में सहयोग देगा स्वास्थ्य विभाग

- ✓ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों को मिली परोक्ष मान्यता
- ✓ जाँच में स्वास्थ्य विभाग प्रभारियों को देगा अपना सहयोग
- ✓ क्षेत्रीय एवं ज़िला प्रभारियों का कद व वज़न बढ़ा
- ✓ प्रदेश के झोला छाप चिकित्सकों को चिन्हित करने में योगदान
- ✓ बिना वैध रजिस्ट्रेशन के प्रैक्टिस करते पाये जाने पर जुर्माना
- ✓ छापेमारी का प्रारुप तैयार नवम्बर–दिसम्बर में सघन अभियान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश की इलेक्ट्रो होम्योपैथी क्षेत्र की अग्रणी संस्था बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए 4 जनवरी, 2012 को जो आदेश दिया है उसमें स्पष्ट तौर कहा गया है कि उपरोक्त संस्था पर शिक्षा एवं प्रैक्टिस पर सरकार की कोई रोक नहीं है शासन द्वारा सम्बंधित सभी विभागों को सूचित कर दिया गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 4 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया जा चुका है इसलिए उनके कार्य करने में किसी भी तरह का हस्तक्षेप न किया जाये।

इसके पूर्व 21 जून, 2011 को देश के माने जाने वाले सबसे पुराने संगठन इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (**EHMAI**) को भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के आदेश संख्या – **C.30011/22/2010-HR** द्वारा आदेशित किया है कि भारत के सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ–साथ केन्द्र शासित प्रदेशों के सभी स्वास्थ्य सचिवों को भी पत्र जारी किये जा चुके हैं।

व्यवस्थायें तेज़ी से बदल रही हैं स्वास्थ्य के सभी विभागों को सूचित कर दिया गया है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 4 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया जा चुका है इसलिए उनके कार्य करने में किसी भी तरह का हस्तक्षेप न किया जाये।

उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी बहुत ही मज़बूत स्थिति में है जो थोड़ी बहुत स्वनिर्मित कमी है वह भी दूर होती जा रही है इन सब बातों का एक ही सार है कि कार्य पूरे मनोयोग से होना चाहिये क्योंकि जब कार्य होगा तभी सरकार हमारे किये हुये कार्यों की समीक्षा करेगी जिसका भरपूर लाभ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठनों एवं चिकित्सकों को ही प्राप्त होगा, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में प्रदेश में अब वही चिकित्सक अधिकार पूर्वक अपना कार्य कर सकता है जिसके पास वैध चिकित्सकीय योग्यता, प्रैक्टिस करने हेतु रजिस्ट्रेशन, ज़िला पंजीयन प्रमाण पत्र एवं शासन द्वारा जारी आदेश संख्या आर–14015/25/96 यू0 एण्ड एच0 (आर) (पार्ट) के प्राविधान का पालन कर रहा होगा।

"महानिदेशालय/शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जो बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 में पंजीकृत हैं पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति से चिकित्सा सेवायें प्रदान करने पर कोई रोक नहीं है।"

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के अधिकृत ज़िला प्रभारी प्रदेश के हर मेट्रो शहर में हैं एवं क्षेत्रीय अधिकारी के कार्यालय मण्डल स्तर पर हैं यदि आप इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे हैं तो प्रथम प्राथमिकता में सबसे पहले अपना ज़िला पंजीयन करायें ज्ञातव्य हो कि ज़िला पंजीयन का कोई भी शुल्क नहीं है, अभी हाल ही में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शासन से पत्र व्यवहार करने पर यह तय हो गया है कि बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा नियुक्त प्रभारी अधिकारी भी करेंगें इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की जाँच उनके द्वारा की जा रही जाँच में प्राथमिक / सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के प्रभारी अधिकारी/अधीक्षक सहयोग करेंगें इस आशय के निर्देश अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा दिनांक 08 अक्टूबर, 2024 को मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को दिये गये हैं।

अतः ऐसे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक जिन्होंने अपना ज़िला प्रभारी के कार्यालय में पंजीयन का आवेदन नहीं किया है या पंजीयन की मान्य अवधि समाप्त हो चुकी है वे अपने ज़िले के ज़िला प्रभारी कार्यालय जाकर पंजीयन करा लें, जिन ज़िलों में ज़िला प्रभारी कार्यालय नहीं हैं, वहां के चिकित्सकों को सीधे क्षेत्रीय कार्यालय में अपने पंजीयन का आवेदन करना होता है, यह कार्य हर चिकित्सक के हित में है, प्रैक्टिस का अधिकार तभी सफ़ल होगा जब आप हर नियमों और कानून का पालन करेंगे, ज़िला प्रभारी कार्यालय में पंजीयन का आवेदन अवश्य करना है हमारे चिकित्सकों को चाहिये कि वह इस विषय पर गम्भीर होकर इसे एक अभियान के तौर पर लें, स्वयं पंजीयन करायेंएवं अपने साथी चिकित्सकों को भी इस बात के लिए प्रेरित करें कि वह पंजीयन का आवेदन अवश्य करें, यह कार्य हर चिकित्सक के हित में है, प्रैक्टिस का अधिकार तभी सफ़ल होगा जब आप हर नियमों का पालन करेंगे, विदित हो कि **C.M.O. office** में केवल एलोपैथों का ही पंजीयन होता है।

(ज़िला प्रभारियों की सूची पेज 3 एवं 4 पर प्रकाशित की गयी है।)

डगमगाये विश्वास वाला व्यक्ति अपेक्षित परिणाम नहीं देता

इलेक्ट्रो होम्योपैथी को यदि बहुत दूर तक आगे ले जाना है तो यह सभी जिम्मेदारों का दायित्व है कि कोई ऐसी कार्ययोजना तैयार करें जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज में फैली भ्रांतियां दूर हों।

अधिकारिता और अनाधिकारिता पर चर्चायें बन्द होनी चाहिये, कार्य करने की प्रवृत्ति का पुनर्जागरण करना होगा तभी इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास सम्भव हो पायेगा, जब विकास की बात चलती है तो यह बात आती है कि क्या इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास नहीं हो रहा है ? यदि विचार करें तो सब कुछ स्पष्ट हो जाता है किसी भी चिकित्सा पद्धति के विकास का आंकलन उस चिकित्सा पद्धति के जन प्रयोग पर आधारित होता है दूसरा उसकी शिक्षण व्यवस्था पर, विकास में निरन्तरता बनी रहे इसके लिए अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य होते रहने चाहिये चूंकि अनुसंधान ही हमें नवीनता से परिचय कराता है, यदि हम आज से कुछ वर्ष पूर्व के इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास पर दृष्टि डालें और देखें कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की कितनी प्रैक्टिस हो रही है ? समाज में इसे कितना स्वीकारा जा रहा है ? तो इसके आंकलन का सीधा–साधा रास्ता है कि औषधियों की मांग और पूर्ति का अनुपात क्या है ? आज से पूर्व इलेक्ट्रो होम्योपैथी की औषधियां चन्द लोग ही बनाते थे, मांग भी बहुत कम थी, इधर कुछ वर्षों में पूरे देश में अनेक दवा निर्माण इकाईयां अस्तित्व में आई हैं और हर कम्पनी दावा करती है कि उनकी कम्पनी लाखों का वार्षिक टर्न–ओवर करती है। नित नई कम्पनियां खुलती जा रही हैं यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है, प्रैक्टिस भी बढ़ी है, सीधा सा फण्डा है कि दवा खरीदी जाती है तो व्यवहार में भी लायी जाती होगी, यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी की लोकप्रियता का स्पष्ट उदाहरण है, हाँ एक बात ज़रूर है कि आज पीढ़ीयों में टकराव के स्पष्ट दर्शन होते हैं जो पुरानी पीढ़ी के लोग हैं वह परम्पराओं पर विश्वास करते हैं और मैटी के सिद्धान्तों से कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं फलतः नई पीढ़ी के लोग कभी कभी ऐसा व्यवहार करने लगते हैं जो कि नई व्यवस्थाओं को जन्म दे देते हैं।

अक्सर हमारे साथी यह सवाल करते हैं कि अब नया क्या हुआ ? यह एक ऐसा यक्ष प्रश्न है जिसका उत्तर हर एक को स्वीकार नहीं होता, जीवन में नवीनता तो आती है लेकिन नया पन बार–बार नहीं होता इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्थापित हो उसका यथा सम्भव विकास हो, शासकीय संरक्षण प्राप्त हो हमारे साथियों को भी शासकीय सेवाओं में अवसर मिले यह सारी कि सारी कामनायें तभी फलीभूति होंगी जब पीढ़ियों के बीच वैचारिक समानता जन्म लेगी, अपने विचारों को रखना हर एक का अधिकार है लेकिन अपने ही विचारों को थोपना हर किसी को स्वीकार नहीं होता है, नई पीढ़ी की जो बात पद्धति के लिए हितकारी हो जिससे चिकित्सा पद्धति का भला हो ऐसे विचारों को पुरानी पीढ़ी को भी स्वीकारने में गुरेज़ नहीं करना चाहिये इसके साथ–साथ नई पीढ़ी का दायित्व है कि वह इतिहास को न बदले क्योंकि इतिहास हमारी धरोहर है, धरोहर को सजोना नई पीढ़ी का दायित्व है जब सबका लक्ष्य एक है तो आपसी कटुता के दर्शन क्यों होते हैं आज जो भी लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े हैं उनकी यही इच्छा है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का वास्तविक विकास हो, इसलिए हमें वही रास्ते तलाशने होंगे जिसपर चल कर हम सब एक नये सुप्रभात को जन्म दें, कभी भी सम्भावनायें खत्म नहीं होती हैं कब क्या हो जाये यह हम सब नहीं जान सकते लेकिन इसी विचार में पड़े रहकर कार्य न करें यह भी उचित नहीं है, हमें जो अधिकार और जो अवसर प्राप्त हैं हमें उनका भरपूर उपयोग करना चाहिये और कार्य करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी, प्रतीक्षा का समय अब ज्यादा नहीं है जो वर्तमान दृश्य दिखायी दे रहा है वह अच्छाई की ओर संकेत दे रहा है इसलिए अनिर्णय की स्थिति से उबरकर सकारात्मक निर्णय लें और पूरे उत्साह और जोश के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में लग जायें, इलेक्ट्रो होम्योपैथी सबकी है इसपर किसी का विशेषाधिकार नहीं है यह अलग बात है कि आज कुछ संस्थाओं को यह अधिकार प्राप्त है लेकिन कार्य करने का अधिकार और कार्य करने के लिए सभी के लिए रास्ते खुले हैं अधिकार जताने की होड़ में जोश में आकर हमें कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिये जिससे कि चिकित्सा पद्धति उससे जुड़े चिकित्सक और चिकित्सा पद्धति का लाभ ले रहे व्यक्तियों का नुकसान न हो, इलेक्ट्रो होम्योपैथी असीमित है इसको सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता, अनुसंधान वह क्षेत्र है जिसपर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी को और अधिक जनोपयोगी बनाया जा सकता है इसलिए आईये हमसब मिलकर सकारात्मक विचारों के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य करें, क्योंकि डगमगाये विश्वास वाला व्यक्ति कभी भी अपेक्षित परिणाम नहीं देता क्योंकि उसकी मनःस्थिति स्थिर ही नहीं रह पाती।

राष्ट्रीय बनने की चाहत

आज कल इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हर किसी को राष्ट्रीय बनने का शौक पैदा हो गया है जिन्हें मुहल्ले में कोई नहीं पूछता वह भी राष्ट्रीय बनने का सपना पाले हैं सपना पालना बुरी बात नहीं है लेकिन सपने को सच करने के लिए जो कार्य करना पड़ता है उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

बात बनने या न बनने की नहीं होती है बात होती है कि उस सर्वोच्चता तक पहुँचने के लिए उस व्यक्ति द्वारा कितना प्रयास किया गया और वह व्यक्ति जिस समूह व संगठन से आता है उस संगठन का समाज में क्या प्रभाव है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपना ध्वज सम्मान के साथ फहरा रही है लेकिन यह कितने प्रयासों और कितने समर्पण के बाद हुआ है इसको भूलकर राष्ट्रीय बनने का स्वप्न देखने वाले इलेक्ट्रो होम्योपैथी के इन नेतृत्वकर्ताओं को सोचना चाहिये कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का इतिहास भारत वर्ष में लगभग 150 वर्षों का है चूंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी किसी भी राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के लिए लाभकारी विषय नहीं रहा है इसलिए जो कुछ भी इतिहास में अंकित है वह सर्वथा सत्य है।

इतिहास से छेड़ छाड़ वहां होता है जहां लाभ हानि का प्रश्न होता है, हाँ इधर कुछ दिनों से हमारे कुछ नवोदित साथियों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी से छेड़ छाड़ करना शुरू कर दिया है इस छेड़ छाड़ के पीछे उनका मकसद क्या है जन सामान्य के बीच में स्वयं को चर्चा में रखना और ऐन केन प्रकारेण अपने राष्ट्रीय बनने के स्वप्न को पूरा करने का, अपने इस सपने को पूरा करने के लिए अब नया पैतरा अपनाना शुरू कर दिया है वह यह है कि अपनी बात को सही साबित करने के लिए कुछ वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथों का सहयोग और समर्थन प्राप्त करना शुरू कर दिया है इसका एक जीता जागता उदाहरण है कि मैटी के जन्म और मृत्यु पर ही सवाल पैदा कर दिया गया जो तिथियां वर्षों से सर्वमान्य चली आ रही थीं उन पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा किया गया और तो और मैटी के सिद्धान्त पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं लोगों को बताया जा रहा है कि अभी तक आपको जो कुछ भी बताया गया था वह गलत था हम जो कुछ आज बता रहे हैं वही सत्य है इस सबके पीछे एक ही लक्ष्य है वह यह है कि किसी न किसी तरह से अपने आप को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जाये, जो संगठन एक प्रदेश में ठीक से काम तक नहीं कर पा रहे हैं वे पूरे देश में काम करने का दावा करते हैं और उन्ही दावों को पूरा करने के लिए ऐसा कर बैठते हैं जो उनके लिए ही नहीं बल्कि समूचे इलेक्ट्रो होम्योपैथी जगत के लिए घातक हो जाता है इसका जीता जागता उदाहरण पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में देखने को मिला एक संस्था संचालक जो राजस्थान में कार्य करते हैं पता नहीं उन्हें राजस्थान में भी काम करने की अनुमति है या नहीं उन्हें न जाने क्या सूझी कि उत्तर प्रदेश में काम करने चले आये, आज के परिवेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए उत्तर प्रदेश ही सबसे ज्यादा उपजाऊ उर्वरा प्रदेश समझा जा रहा है जिसे कहीं मौका नहीं मिलता वह उत्तर प्रदेश में आ जाता है और जो जीवन भर उत्तर प्रदेश में रहे यहीं फूले फले उन्हें आज दिल्ली रास आ रही है कुछ ऐसे भी हैं पूरे देश में काम करने के लिए जमीन तलाश रहे हैं लेकिन शायद मनमाफिक जगीन नहीं मिल पा रही है, एक और हैं जिनकी स्थापना कोलकाता में है पर काम उत्तर प्रदेश में कर रहे हैं ऐसे लोग नित नये विवादों को जन्म दे रहे हैं और इन विवादों को निपटने के लिए जिस तरह की कार्यशैली अपनायी जा रही है वह और भी ज़्यादा घातक है चिकित्सा व्यवसाय करना एक सम्मानित और विधि सम्मत ढंग से किया जाने वाला कार्य है हम बार बार लिख कर यह बता चुके हैं कि चिकित्सा के क्षेत्र में नियन्त्रण के लिये राज्य के कानून ही प्रभावी होते हैं जो जिस राज्य का है उसे अधिकार पूर्वक कार्य करने का अधिकार उसी राज्य में है, ऐसा नहीं है कि वह दूसरे राज्य में कार्य नहीं कर सकता है दूसरे राज्य में कार्य करने के लिए उस राज्य के प्रचलित नियमों और कानूनों का यदि हम पालन करते हैं तो कार्य करने में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी लेकिन कार्य करने का राष्ट्रीय अधिकार पाने के पहले स्वयं को किसी राज्य का अधिकारी बनना होगा राज्य प्राथमिक इकाई है जहां से होकर राष्ट्रीय बनने की राह निकलती है आन्दोलन तो राष्ट्रीय होते हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किया जाता है परन्तु जो कार्यक्षेत्र राज्य का है उसे राज्य में ही सम्पादित किया जाता है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि राजस्थान राज्य के लिए राजस्थान वासियों ने ही आन्दोलन किया था, उत्तराखण्ड बनवाने के लिए उसी क्षेत्र के नागरिकों ने आन्दोलन किया था न कि दूसरे राज्यों के नागरिकों ने, यहां लिखने का तात्पर्य यह है कि जो घटना जहां घटती है उसका शमन भी वहीं से होता है कानून के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है हर कार्य भीड़ तन्त्र से नहीं किये जा सकते हैं पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के एक छोटे से जिले में चिकित्सकों की जाँच का कार्यक्रम चला जो कुछ भी घटा वह कोई नई बात नहीं है सामान्य सी कानूनी जानकारी लेने की घटना थी यह मामला शुद्ध रूप से पंजीकरण का मामला है और इसी पंजीकरण का उल्लेख नोटिस में किया गया है हम पिछले दो वर्षों से गज़ट के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं कि हमारे चिकित्सक जागरूक होकर विधि सम्मत ढंग से अधिकार पूर्वक कार्य करें परन्तु हमारे चिकित्सक आज भी पता नहीं किन विचारों में खोये हैं अभी हाल ही में घटित कई छोटे बड़े नगरों में झोला छाप चिकित्सकों को चिन्हित कर उन्हें नोटिसें थमायी जा रही हैं, ऐसी घटनाओं से हमारे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को सबक लेना चाहिये और यथाशीघ्र पंजीयन का आवेदन अपने जनपद के ज़िला प्रभारी कार्यालय में प्रेषित करना चाहिये, कुशीनगर हो या एटा का जलेसर घटना सोशल मीडिया के माध्यम से जगकर उछाली गयी उसपर तरह तरह की चर्चा की गयी लोगों ने अपने अपने स्पष्ट विचार दिये लेकिन घटना के शमन के लिए जो उपाय करने को कहे गये वह कहीं से भी उचित नहीं लगते हैं।

एक संगठन ने लोगों से आवाहन किया कि अधिक से अधिक संख्या में लोग घटना वाले शहर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर एकत्रित हों और अपनी आवाज बुलन्द करें इसके पीछे कुछ हो या न हो लेकिन राष्ट्रीय बनने की ललक जरूर रही है एक और हैं जो अपने आप को राष्ट्रीय घोषित कर चुके हैं उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक लोग शासनादेश की कापी मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय को प्रेषित करें पहली बात हर मुख्य चिकित्साधिकारी प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जारी शासनादेश से परिचित है लेकिन उस शासनादेश का पालन कैसे होना है और कैसे करवाना है यह हर अधिकारी जानता है शासनादेश में स्पष्ट उल्लेख है कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा पारित दिनांक 25 नवम्बर, 2003 के आदेशानुसार ही किया जा सकता है अब जो लोग कार्य कर रहे हैं उन्हें यह स्वयं तय करना है कि वे 25 नवम्बर, 2003 के आदेश का कितना अनुपालन कर रहे हैं प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से डिग्री स्तर के कोर्स चलाने व मास्टर व बैचलर डिग्री / डिपलोमा देने पर प्रतिबन्ध के साथ साथ डाक्टर शब्द को लिखने पर भी निषेध है, हमारे नेताओं को इन चीज़ों पर गम्भीरता से विचार करते हुए नेतृत्व करना चाहिये।

28 फरवरी, 2017 से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता हेतु कार्य कर रही अन्तर विभागीय समिति (IDC) को गति देने के लिये देश के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री अग्रणीय भूमिका निभाने का प्रयासरत हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का कल्याण हो हमें किसी के राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय होने से कोई परहेज नहीं है।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्या0 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
01		EHडा0 गौरव द्विवेदी ID-UP74	उन्नाव	469/2 वृन्दावन कालोनी, उन्नाव–209801	9935332052
02		EHडा0 रमेश कुमार द्विवेदी ID-UP61	रायबरेली	छजलापुर,आई0टी0आई0, रायबरेली–229010	9307885280
03		EHडा0 अमित कुमार विश्वकर्मा ID-UP46	लखीमपुर	ओदरहना, महेबागंज, लखीमपुर–261506	7398153468
04		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP37	जौनपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
05		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP29	गाज़ीपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
06		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP18	चन्दौली	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
07		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP75	वराणासी	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
08		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP49	महाराजगंज	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
09		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP70	सिद्धार्थ नगर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
10		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP31	गोरखपुर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
11		EHडा0 मुहम्मद इसरार खान ID-UP26	फिरोज़ाबाद	एरांव रोड, सिरसागंज, फिरोजाबाद–283151	9634503421
12		EHडा0 नेम सिंह बघेल ID-UP35	हाथरस	विवेक क्लीनिक,आगरा बाईपास रोड, सादाबाद, हाथरस–281306	8791443887
13		EHडा0 गणेश सिंह ID-UP32	हमीरपुर	सुमेरपुर, सागर रोड, हमीरपुर	9838714509
14		EHडा0 गया प्रसाद ID-UP36	जालौन	सुजानपुर, बरखेरा, जालौन–285203	8874429538
15		EHडा0 बृज किशोर वर्मा ID-UP02	अलीगढ़	गली न0–2, गोविन्द नगर, नौरंगाबाद, अलीगढ़–202001	9639520078
16		EHडा0 वकील अहमद ID-UP25	फतेहपुर	खम्बापुर, फतेहपुर–212601	8115210751
17		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP52	मऊ	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
18		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP06	आज़मगढ़	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
19		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP09	बलिया	निकट पुराना ग्रामीण बैंकए काज़ी टोला,वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
20		EHडा0 रश्मी पत्नी श्री दीप नारायण ID-UP41	कानपुर देहात	आस्तिक मुनी मंदिर के सामने, कोरियाँ, कानपुर देहात–209206	6394083854
21		EHडा0 मो0 अखलाक़ ID-UP22	इटावा	128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
22		EHडा0 सैयद तुफैलुर रहमान ID-UP23	अयोध्या (फैज़बाद)	सादात , रौनही, अयोध्या (फैज़बाद)–224182	9956081159
23		EHडा0 जीना अर्शद ID-UP50	मैनपुरी	मोहल्ला फर्रास, पोस्ट घिरोर, मैनपुरी–205121	7078111447
24		EHडा0 श्रीमती गौहरश्री ID-UP01	आगरा	विवेक क्लीनिक,बमान रोड, पूठा चौराहा, पोस्ट–बाससौना, आगरा–283126	7500375933
25		EHडा0 बाबू खाँ फारुकी ID-UP21	एटा	अलशिफा हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लीनिक, लोहा मण्डी, अकबरपुर हवेली, जलेसर, एटा	9219775696

शेष पेज 4 पर जारी

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची पेज 3 से आगे

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
26		EHडा0 गुलशन बानो ID-UP05	औरैय्या	पुत्री श्री सपनीउल्ला खान, 128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
27		EHडा0 राम कुमार सिंह ID-UP17	बुलन्द शहर	खुर्जा, बुलन्द शहर–203131	9411003464
28		EHडा0 सुमित कुमार शर्मा ID-UP54	मेरठ	आई ब्लॉक, गंगा नगर, मेरठ–250001	9760033082
29		EHडा0 साहब सिंह बुन्देला ID-UP38	झांसी	वार्ड नम्बर–1, टहरौली किला, झांसी–284202	9450073220
30		EHडा0 अरुण त्यागी ID-UP33	हापुड़	असोड़ा रोड, हापुड–245101	7983052913
31		EHडा0 पुष्पा सिंह कुशवाहा ID-UP08	बहराइच	152– बशीरगंज, बहराइच–271801	9451758141
32		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP28	गाजियाबाद	बी0–71 श्याम पार्क एक्सटेन्शनए साहिबाबाद, गाजियाबाद	9412129598
33		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP27	गौतम बुद्ध नगर	बी0–71 श्याम पार्क एक्सटेन्शनए साहिबाबाद, गाजियाबाद	9412129598
34		EHडा0 मु0 कलीम खान ID-UP16	बदायूँ	वार्ड नम्बर–7 बनिया जंगपुरा, वजीरगंज, बदायूँ–273726	7078926140

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

सम्बद्ध मण्डल ↓

कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणसी

लखनऊ

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8– लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

सम्बद्ध मण्डल ↓

लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगड़

दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें
BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE, UTTAR PRADESH

NATIONAL
इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों की दुनिया में जिसपर आप करें भरोसा

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
निष्पक्ष समाचारों के लिये ही

दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें
ELECTRO HOMOEOPATHIC SYSTEM DEVELOPMENT & RESEARCH INSTITUTE

1983 से आपके अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाला एक मात्र संगठन

दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें

ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICAL ASSOCIATION OF INDIA — ESTD. 1978

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।